निरंजना रिवर रीचार्ज मिशन

निर्झर निरंजना-निर्मल निरंजना

एक सपने को सच करने की मुहिम

झारखंड के चतरा जिला अंतर्गत सिमरिया ब्लॉक के बेलगड्ढा और लावालौंग से एक छोटी सी नदी निकलती है। पथरीली पहाड़ियों के बीच गुपचुप बहते हुए यह नदी हंटरगंज होते हुए जब बिहार में प्रवेश करती है तो इसका रूप बड़ा हो जाता है। बोधगया तक इस नदी को निरंजना और उसके बाद इसे फल्गु के नाम से जाना जाता है। यही वह नदी है जिसके किनारे तपस्या करते हुए सिद्धार्थ "बुद्ध" बने। दुनिया भर के हिंदू अपने पूर्वजों के मोक्ष हेतु इसी नदी में बैठकर पिंडदान करते हैं। हम कह सकते हैं कि निरंजना के किनारे ज्ञान और मोक्ष दोनों मिलता है।

बौद्ध साहित्य में निरंजना नदी में सालों भर पानी बहने की खूब चर्चा है। लेकिन आज यह नदी लगभग सूख चुकी है। बरसात के कुछ महीनों को यदि छोड़ दें तो इसमें पानी के दर्शन अब दुर्लभ हो गए हैं। नदी की यह स्थिति दुनिया भर के बौद्धों, हिंदुओं और पर्यावरण प्रेमियों को मायूस करती है। सभी निरंजना को सदानीरा देखना चाहते हैं, लेकिन यह एक सपना लगता है। निरंजना रिवर रीचार्ज मिशन इसी सपने को सच करने की एक मुहिम है। सौभाग्य से यह मुहिम केवल भावना पर ही नहीं बल्कि व्यवहारिकता की ठोस जमीन और उद्यम पर भी आधारित है।

किसी भी नदी के जितने दृश्य फायदे हैं उससे असंख्य गुना अदृश्य फायदे हैं। किंतु लोग सामान्यतः दृश्य फायदों का ही अनुभव कर पाते हैं। नदी किनारे के गांवों के "समग्र विकास" को ध्यान में रखकर काम करने पर उसका फायदा नदी को अपने आप होता जाता है तथा लोगों के अंदर भी "उपभोग" की जगह "उपयोग व संरक्षण" की भावना जागृत होती है।

रामरेखा नदी पर बने "बूढ़ा-बूढी बांध" के शिलान्यास की तस्वीर।

आशा की किरण दिखाती रामरेखा

भारतीय परंपरा में मान्यता है कि कोई नदी मृत नहीं होती। वास्तव में वह केवल अंतर्ध्यान हो जाती है। यदि मनुष्य अपने आचरण और उद्यम से उसके लिए अनुकूल वातावरण का निर्माण करे तो वह पुनः अपने भव्य स्वरूप में प्रकट हो सकती है। यह केवल कोरी मान्यता नहीं है। यदि हम औरंगाबाद और बोधगया में बहने वाली नदी रामरेखा की बात करें तो यह एक यथार्थ है जो अभी हाल ही में घटित हुआ है।

वास्तव में बिहार राज्य के अंतर्गत गया जिले के डुमरिया प्रखंड एवं औरंगाबाद जिले के देव प्रखंड पिछले कई वर्षों से सुखाड़ की मार झेल रहे थे। जमीन थी किंतु पानी नहीं होने के कारण भुखमरी थी, पलायन था और नौजवान नक्सली गतिविधियों में सक्रिय थे। इन इलाकों के किसान 1952 से ही रामरेखा नदी पर छकरबन्धा पंचायत के समीप बांध बनाने हेतु आंदोलन कर रहे थे। हर चुनाव में स्थानीय स्तर पर यह मुद्दा उठता था। प्रत्येक प्रत्याशी के द्वारा यह वादा किया जाता था कि मैं जीतूंगा तो बांध बनवा दूँगा। लेकिन इस दिशा में कोई ठोस काम नहीं हो सका।

1992 में बिहार सरकार के लघु सिंचाई विभाग के द्वारा साढ़े आठ करोड़ रूपए का एक एस्टीमेट भी बनाया गया जिसके अंतर्गत 'बूढ़ा-बूढ़ी' नामक स्थान पर एक बांध बनाने की बात थी। हालांकि कुछ अड़चनों के कारण काम नहीं हो पाया। लंबे समय तक जब सरकार की ओर से इस संबंध में कोई पहल नहीं हुई तो गोकुल फाउंडेशन से जुड़े लोगों ने इस मामले में अगुआई की और कुछ ही वर्षों में बूढ़ा-बूढ़ी बांध बना कर तैयार कर दिया। जिस काम को करने के लिए सरकार ने साढ़े आठ करोड़ का एस्टीमेट बनाया था, उसे गोकुल फाऊंडेशन ने दो करोड़ से भी कम में कर दिखाया। इस अभियान को सफल बनाने में आम आदमी ने बढ़-चढ़कर सहयोग दिया। आकार चैरिटेबल ट्रस्ट जैसी सामाजिक संस्थाओं ने भी इसमें मदद के लिए अपना हाथ बढ़ाया।

बूढ़ा-बूढ़ी बांध बनाने के बाद एक और काम किया गया। बांध के पानी को किसानों के खेतों तक ले जाने के लिए एक नहर भी खोदी गई। सैकड़ों लोगों ने महीनों तक इसके लिए श्रमदान किया

और इस प्रकार 3 किलोमीटर लंबी, 22 फीट गहरी और 17 फीट चौड़ी नहर का निर्माण कर दिया। बांध और नहर बन जाने से उस इलाके में जितने भी आहर, पोखर, कुआँ और तालाब आदि थे, वे रिचार्ज होते गए। इस सबका एक चमत्कारिक परिणाम हुआ जिसकी कल्पना गोकुल फाउंडेशन के लोगों को भी नहीं थी। देखते ही देखते रामरेखा नदी फिर से प्रकट हो गई। जिस नदी में दिसंबर में एक बूंद पानी नहीं होता था वह नदी जून-जुलाई की भीषण गर्मी में भी झर-झर बहने लगी। लाखों लोगों और जीव-जंतुओं का कल्याण हो गया। किसानों को तो जैसे एक नया जीवन ही मिल गया। आज रामरेखा नदी में सालों भर पानी बहता है। रामरेखा छोटी नदी है इसलिए चुनौतियां कम थीं। निरंजना बड़ी नदी है तो चुनौतियां बड़ी हैं। लेकिन रामरेखा का अनुभव बताता है कि निरंजना को फिर से प्रकट करने का लक्ष्य असंभव नहीं है।

रामरेखा की विरासत को आगे बढ़ाता हुआ गोकुल फाउंडेशन

रामरेखा नदी पर काम के दौरान जो अनुभव और समझ विकसित हुई, उसे आधार बनाकर 'गोकुल फाउंडेशन ऑफ इंडिया' पूरी तन्मयता के साथ काम कर रही है। औरंगाबाद जिले के नवीनगर प्रखंड स्थित माली नामक स्थान पर इसका अपना एक कैंपस है, जहां से विविध सामाजिक विषयों पर शोध, प्रशिक्षण एवं प्रयोग का काम निरंतर चलता रहता है। आज यदि निरंजना नदी को सदानीरा बनाने का प्रयास मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है तो उसके पीछे गोकुल फाउंडेशन की ठोस जमीन है।

Contact: Mob- 9162953252
Website: www.gokulfoundation.org
Email:gokulfoundationofindia@gmail.com

"रामरेखा नदी" हेतु श्रमदान करने गाँव-गाँव से निकलते लोग।

रामरेखा कैनाल में श्रमदान करते ग्रामीण।

बूढ़ा-बूढी बाँध बन जाने के बाद बांध के पीछे लगभग 3 किलोमीटर तक संरक्षित जल की तस्वीर। ये वही स्थान है जहां वर्षाजल के रूप में पहाड़ियों से आने वाला एक बूंद पानी भी नहीं ठहरता था।

अब तक के प्रयास और आगे की कार्ययोजना

निरंजना के लिए की जा रही मीटिंग की एक तस्वीर।

22 अगस्त, 2021 को सैकड़ों बौद्ध भिक्षुओं, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक सरोकार से जुड़े लोगों ने बोधगया में निरंजना नदी के किनारे प्रार्थना की एवं दीप प्रज्ज्वलित करके "निरंजना (फल्गु) रिवर रीचार्ज मिशन" की शुरुआत की। इसके तुरंत बाद निरंजना मिशन से जुड़े हुए कई कार्यकर्ताओं ने नदी के उद्गम स्थल से उसके संगम स्थल तक की यात्रा की। इस दौरान यात्रियों की टीम जहां-जहां से गुजरी वहां लोगों ने इसका गर्मजोशी से स्वागत किया और निरंजना को सदानीरा बनाए जाने के अभियान से जुड़ने की इच्छा प्रकट की। मिशन को सफल बनाने के लिए लोगों ने अपने-अपने बहुमूल्य सुझाव भी दिए।

निरंजना रिवर रीचार्ज मिशन की योजना है कि अगले 10 वर्षों में नदी के उद्गम से लेकर संगम तक, दोनों ओर 5 किलोमीटर के दायरे में छोटे-बड़े दो सौ से अधिक 'चेक डैम' बनाए जाएं और नदी किनारे दस लाख से अधिक पेड़ लगाए जाएं। जब नदी के किनारे लाखों वृक्ष होंगे तो वे कभी नदी को सूखने नहीं देंगे। इसे और आसानी से इस प्रकार समझा जा सकता है कि भीषण गर्मी और लू के समय भी यदि आप किसी वृक्ष की जड़ के समीप की मिट्टी खोदेंगे तो देखेंगे कि वहां की

वर्ष 2022 के लिए 'निरंजना (फल्गु) रिवर रीचार्ज मिशन' का लक्ष्य

- नदी के दोनों ओर 5 किलोमीटर के दायरे में गांवों की सूची बनाना।
- किन-किन गांव में चेक डैम बन सकते हैं उन गांवों का सर्वे करके उनकी सूची तैयार करना।
- नदी के तटवर्ती गांवों में अधिकतम लोगों को इस बात के लिए तैयार करना कि वे अपनी जमीन पर तालाब खुदवाएं।
- नदी के तटवर्ती गांवों की छठ पूजा समितियों के साथ सम्पर्क स्थापित करना।
- सरकार और समाज के साथ बातचीत करके नदी किनारे की जमीन पर कम से कम 5 चेक डैम बनाना और 50,000 वृक्ष लगाने की मुहिम चलाना।
- बोधगया और गया की सभी धार्मिक-सामाजिक संस्थाओं की इस अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना।

मिट्टी गीली है। जिस प्रकार भीषण गर्मी में भी एयर कंडीशनर अपने आस-पास के वातावरण से पानी खींच कर दिनभर में बाल्टी भर देता है, उसी प्रकार ये वृक्ष भी काम करते हैं। वे अपने वातावरण से पानी खींचकर बूंद बूंद अपनी जड़ों के आस-पास छोड़ते रहते हैं। यही पानी रिसते हुए आस-पास के तालाब, कूओं और नदियों में जाता है।

रामरेखा नदी के अनुभव से निरंजना रिवर रीचार्ज मिशन के कार्यकर्ताओं ने समझा है कि ऐसे अभियानों की सफलता का केन्द्रीय बिंदु आम जनता होती है। इस बात को ध्यान में रखते हुए उद्गम से लेकर संगम तक नदी किनारे के मंदिरों-मस्जिदों और विशेष रूप से छठ-पूजा समितियों को जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है।

छठ पूजा के समय पूजा समितियां अपने आस-पास की नदियों की सफाई करती हैं, नदी के किनारे कार्यक्रम आयोजित करती हैं, घाटों तक रास्ता बनाती हैं और नदी में पानी नहीं होने के कारण पानी के संकट से जूझती हैं। इसलिए उन्हें निरंजना रिचार्ज मिशन के साथ जोड़ना आसान और अत्यंत कारगर साबित हो सकता है। नदी किनारे के गांवों में जहां भी पानी रुक सकता है, वहां पानी

निरंजना मिशन : प्लान मैप

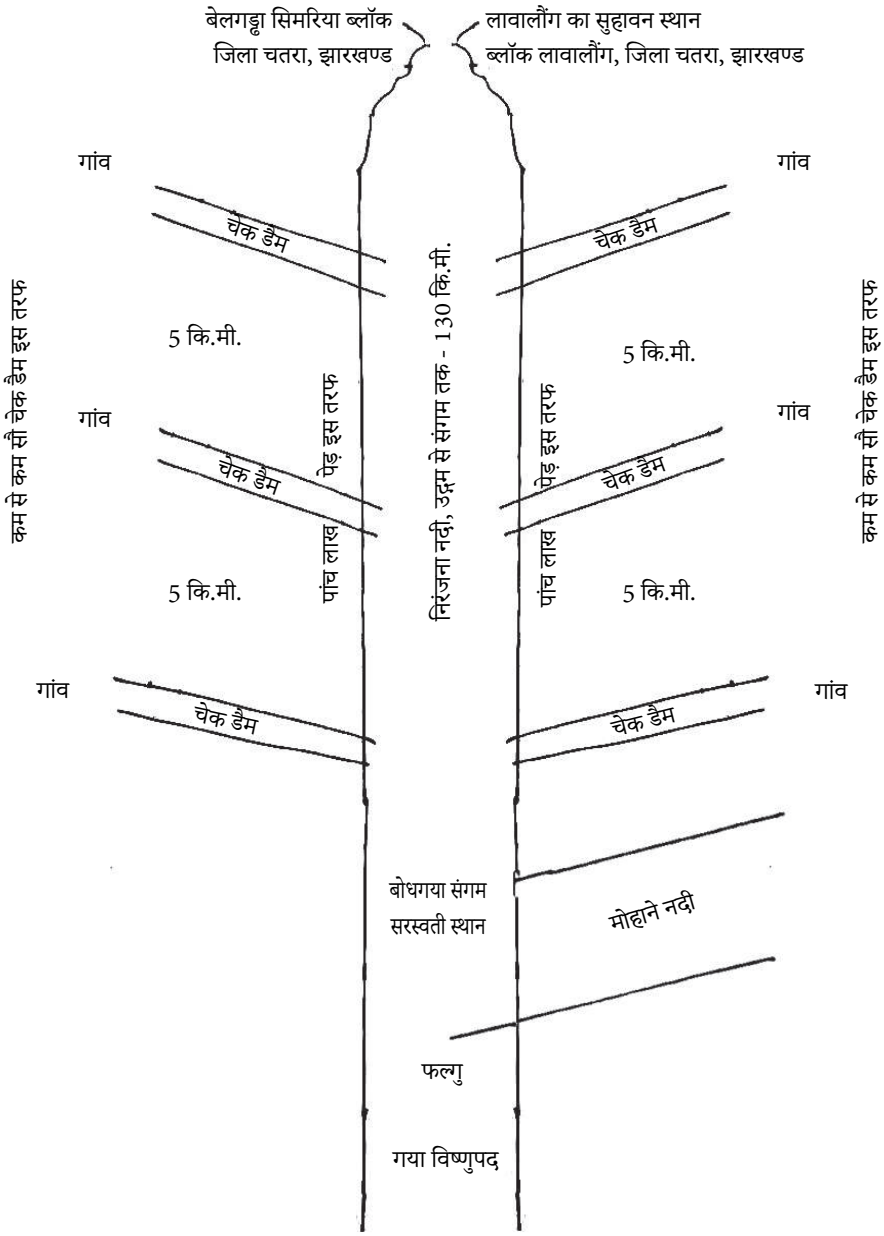

नदी किनारे के गाँवों में किन-किन स्थानों पर जल संरक्षित किया जा सकता है, उसका सर्वे करते "निरंजना (फल्गु) रिवर रिचार्ज मिशन" के लोग।

बोधगया से 110 किलोमीटर की यात्रा करके "रामरेखा नदी" पर मिली सफलता को देखने समझने पहुंचे बौद्ध भिक्षुगण तथा ग्रामीणों की तस्वीर।

को रोकने का उपाय किया जाएगा। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, गांवों में सामाजिक सोच वाले व्यक्तियों और सामाजिक संगठनों को चिन्हित करके उनका सहयोग लेने का हर संभव प्रयास किया जाएगा।

मिशन की कार्ययोजना में नदी के प्रवाह मार्ग में किसी तरह के हस्तक्षेप का प्रावधान नहीं है। सारा जोर केवल इस बात पर है कि नदी के दोनों ओर पांच किलोमीटर के दायरे में वर्षाजल को अधिकतम मात्रा में रोका जाए और साथ ही भूजल के अंधाधुंध दोहन को भी हतोत्साहित किया जाए।

नदियों में जब पानी कम जाएगा और उसमें से निकासी ज्यादा होगी तो स्वाभाविक रूप से नदियां अंतर्ध्यान हो जाएंगीं। निरंजना के साथ ऐसा ही हुआ है। चेक डैम बनाकर और लाखों पेड़ लगाकर मिशन इस प्रक्रिया को बदलना चाहता है। जब नदी के दोनों ओर कम से कम दो सौ से अधिक 'चेक डैम' बन जाएंगे और इसके किनारों पर 10 लाख से अधिक पेड़ लहलहाने लगेंगे तो एक ऐसी स्थिति उत्पन्न होगी जिसमें नदी से पानी की निकासी कम और आपूर्ति अधिक होगी। ऐसा होते ही निरंजना नदी सालों भर बहने लगेगी और दुनिया के लाखो लोग जो बोधगया में आकर नदी की मरणासन्न स्थिति को देखकर टूट जाते हैं, उनको एक नई ऊर्जा मिलेगी। अपनी महान नदी को फिर से बहते हुए देखने का उनका सपना पूरा हो जाएगा। निरंजना यदि सदानीरा होकर हमारे बीच अपने पूरे वैभव के साथ प्रकट होती है तो इसका धार्मिक ही नहीं बल्कि पर्यावरणीय महत्व भी होगा और इस प्रयोग को पूरी दुनिया में अपनाया जाएगा।

निरंजना मिशन की सफलता के लिए प्रार्थना कर यात्रा हेतु विदा करते बोध गया मंदिर मैनेजमेंट कमेटी के सेक्रेटरी सेवानिवृत्त आईएएस नांगजे दोरजी

निरंजना मिशन की सफलता के लिए महाबोधि सोसाइटी आफ इंडिया के महासचिव भंते पी शिवली थेरो के नेतृत्व में सामूहिक प्रार्थना करते बौद्ध भिक्षु

निरंजना मिशन के संयोजक को सम्मानित करते डाइजोक्यो बुद्धिस्ट टेम्पल के सेक्रेटरी किरण लामा और बौद्ध साहित्य के प्रख्यात विद्वान डा. प्रो. कैलाश प्रसाद

First phase of Niranjana river journey completed

GY CORRESPONDENT
SEPT 07

The first phase of the Niranjana River journey is over. This journey started from BodhGaya main temple on 29th August 2021. In which from the point of origin of Simaria to various villages of Chatra district, it ended at the confluence of north Niranjana and muhane river of BodhGaya. After the completion of the first phase of the journey, a Peepal tree was also planted at the Sangam site. In order to make Niranjana river eternal, in future efforts will be made to plant lakhs of trees from Gaya to the origin of Chatra district in collaboration with other organizations. Expressing heartfelt gratitude to all the colleagues involved in Nirjhar Niranjana Nirmal Niranjana Abhiyan for the success of this first campaign, a Peepal tree was planted at the Sangam site. Sanjay Sajjan, Suresh Singh, Rakesh Kumar Pappu, Ravi Nayak, Gautam Kumar, Lalan Paswan, etc. were present in this, the convener of Nijhar Niranjana Nirmal Niranjana.

बुद्ध वंदना के साथ निर्झर निरंजना मिशन का शुभारंभ

जागरण संवाददाता, गया : निर्झर निरंजना मिशन का सातवें चरण का भिक्षुओं ने बुद्ध वंदना से शुभारंभ किया। प्रथम चरण में फल्गु- निरंजना नदी बोधगया से सिमरिया -निरंजना नदी के उद्गम स्थल पर किया जाएगा।

प्रथम चरण का शुभारंभ महाबोधि मंदिर के प्रांगण से सिमरिया चतरा झारखंड के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इसमें भिक्षु भंते अशोक के नेतृत्व में भिक्षु-भिक्षुणी,भिक्षुनि तेंजिन, ग्लोबल एनजीओ के अध्यक्ष दीपक कुमार, मगध राइडर के रविनायक, सेवा ट्रस्ट से जैकी कुमार, मगध थाई मंदिर से संजय, प्रो. कैलाश प्रसाद, धर्मेन्द यादव, टूरिस्ट गाइड असोसियेशन ऑफ बिहार के अध्यक्ष राकेश कुमार,दीनू कुमार सिन्हा, संजीव कुमार, दीपक कुमार,गौतम कुमार,बल गंगाधर शामिल हुए। पहला चरण में सात दिनों उद्गम स्थल का बारीकी से निरीक्षण करेंगे।

दैनिक भास्कर गया भास्कर 30-08-2021

सात हफ्ते का अभियान महाबोधि मंदिर से शुरू

बोधगया। निर्झर निरंजना समय की मांग है। 2600 साल पहले निरंजना नदी निर्झर बहती थी। भगवान बुद्ध ने वैशाख पूर्णिमा के दिन इस नदी में स्नान किया था। लेकिन मानवों की दखल बढ़ने के साथ नदी बरसाती होकर रह गई। टूरिस्ट गाइड एसोसिएशन ऑफ बिहार के अध्यक्ष राकेश कुमार ने उक्त जानकारी देते हुए कहा कि निरंजना नदी की निर्झरता जरूरी है यह बौद्धों के लिए न सिर्फ पवित्र है, बल्कि इसके प्रति आस्था भी है। इस मिशन का 7 चरणों का शुभारंभ महाबोधि मंदिर के निकट से भिक्षुओं द्वारा बुद्ध वंदना से किया गया। प्रथम चरण में निरंजना नदी बोधगया से नदी के उद्गम सिमरिया तक जाएगी। भिक्षुक भंते अशोक के नेतृत्व में बौद्ध भिक्षु व भिक्षुणी के अलावा ग्लोबल एनजीओ एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक कुमार, मगध राइडर क्लब के रवि नायक, सेवा ट्रस्ट से जैकी विश्वकर्मा, मगध थाई मंदिर से संजय, डॉ कैलाश प्रसाद, धर्मेंद्र यादव, आदि मौजूद थे।

बोधगया में निर्झर निरंजना निर्मल निरंजना मिशन का हुआ शुभारंभ

निरंजना नदी में सालों भर पानी की मौजूदगी को लेकर होगा कामकाज

भास्कर एक्सक्लूसिव • जन सहयोग से नदी उद्गम स्थल सिमरिया से बोधगया तक 01 हजार चेक डैम और 10 लाख पौधे लगेंगे

निर्झर निरंजना-निर्मल निरंजना मिशन के संयोजक संजय ने विशेष बातचीत में कहा

दस वर्षों में निरंजना नदी को रिचार्ज कर सदानीरा बनाने का काम हो जाएगा पूरा

उद्गम से बोधगया पहुंचने में निरंजना नदी पूरी करती है 150 किमी की यात्रा

2011 में नदी पर चेक डैम बनाने की थी योजना, पर आजतक कुछ नहीं हुआ

आज

निरंजना मिशन की पांच सदस्यीय टीम को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

गया। निर्झर निरंजना मिशन का 7 चरणों का शुभारंभ भिक्षुओ के द्वारा बुद्ध वंदना कर रविवार को किया गया। इस मौके पर भिक्षुक भंते अशोक के नेतृत्व कुमार, दीपक कुमार, गौतम कुमार, बाल गंगाधर आदि गाइडो एव भिक्षुनि तेंजिन ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर सिमरिया झारखंड के लिए संजय सजन, सामाजिक और राजनीतिक एव विभिन पूजा समितियो से जनसंपर्क कर निर्झर निरंजना के आलोक में वार्ता करेंगे। जैसा कि मालुम हो विगत 22 अगस्त को

NAMO BUDDHAYA

MAHA BODHI SOCIETY OF INDIA

(Premier International Buddhist Organisation : Estd.-1891)
Founder : Bodhisatthva Anagarika Dharmapala
[Registered under W.B.S.R. Act, 1961-Regn. No. 2666 of 1915-16]
Visit us : www.mbsiindia.org

1864 – 1933

Ven. P. Seewalee Thero
General Secretary

30.12.2021

To
Shri Sanjoy Sajjan
Niranjana Rivar Recharge Mission,
Gokul Foundation of India.

Dear Sir,

We acknowledge with thanks the receipt of your mail dated 27th December, 2021, addressed to Ven. P. Seewalee Thero, General Secretary, Maha Bodhi Society of India.

I am to convey you that the General Secretary of the Society has expressed his satisfaction and support to revive the Holy River Niranjana through the aims and objects of Niranjana Rivar Recharge Mission. It has been rightly pointed out that the Buddha took bath in this Holy River Niranjana and as such the Buddhists of the World regard the Holy River with high religious sentiments. The Hindu devotees also customarily regard the Holy River Niranjana for their rituals. It is, therefore, very much appropriate that the Holy River be given due attention for restoring its original status with sufficient water flow.

The General Secretary has expressed due regards to the decisions taken by the Core Group of the Mission with his support to the extent possible with the observation that the State and the Central Governments should be requested to do the needful for revival the Holy River Niranjana. He has expressed all the best wishes for a positive outcome from the working of the Mission with the Greetings for the New Year – 2022.

Bhavatu Sabba Mangalam,

Yours in Service of the Dhamma,

Maha Bodhi Society of India ★ Kolkata-700073 ★ 4A, Bankim Chatterjee Street

(Ranadhish Choudhuri)
Secretary to the General Secretary,
Maha Bodhi Society of India,
Headquarters, Kolkata.

Headquarters : MAHA BODHI SOCIETY OF INDIA
Sri Dharmarajika Chetiya Vihara, 4A, Bankim Chatterjee Street, Kolkata - 700 073, India
Reception: +91-33 2241-5214, Office: +91-33- 2219-9294 (Direct 10 am to 5 pm) : mbsihq@gmail.com

पहल. गांववासियों और पूजा समितियों से करेंगे बातचीत

निरंजना नदी में सालों भर पानी के लिए निकाली गयी यात्रा

निर्झर निरंजना मिशन के सात चरणों का शुभारंभ

दैनिक भास्कर गया भास्कर 08-02-2022

बैठक • निर्झर निरंजना- निर्मल निरंजनाः निरंजना रिवर रिचार्ज मिशन की हुई बैठक, कई मुद्दों पर की गई चर्चा

हमें जीवन देती हैं नदियां, इसे बचाना बेहद जरूरी

बुद्ध के कार्यकलाप से जुड़ी है नदी

दैनिक भास्कर गया भास्कर 15-02-2022

आस्था • निरंजना रिवर रीचार्ज मिशन की थी पहल, रीचार्ज की प्रक्रिया दिखाना था मकसद

निरंजना नदी से रामरेखा नदी तक की बौद्ध भिक्षुओं ने निकाली रिवर यात्रा

औरंगाबाद जिले के देव प्रखंड स्थित बूढ़ा-बूढ़ी बांध और राम रेखा नदी को देखा

इनकी रही सहभागिता

निरंजना-फल्गू के शुभचिंतकों से अपील

निरंजना स्वच्छ हो, निरंजना में सदा-सर्वदा पानी बहता रहे, निरंजना का दोहन और अतिक्रमण न हो, ऐसा सोचने वाले और अपने स्तर से इस विषय पर काम करने वाले अनेक लोग और संस्थाएं हैं। उन सभी से मैं अपील करता हूं कि निरंजना रिवर रिचार्ज मिशन के साथ जुड़कर इस नदी को सदानीरा बनाने में हमारा सहयोग करें। हम अपने सम्मिलित प्रयास से दुनिया के सामने अक्षय विकास का एक शानदार उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं।

भवदीय

संजय सज्जन सिंह (9431256825)

संयोजक- निरंजना रिवर रीचार्ज मिशन

संपर्कः रूम नंबर 104, शांति बुद्धा गेस्ट हाउस, मंदिर मार्ग, बोधगया, बिहार- 824231

Mob - 7070886737 (धर्मवीर भारती), 9934290977 (राकेश कुमार), 8986561566 (अंजन सिंह विक्की)

Website - www.niranjanamission.in, Email on :- niranjanamission@gmail.com

To find us on Facebook, Instagram, Twitter and Youtube, please type on search section : #NiranjanaMission or join our "Facebook page or Youtube" - River Recharge Mission.